।।अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाश : 01565-224600,224900

ई-मेल : jstsdgh01565@gmail.com

मंगल पाठ सुनने उमड़ा जन सैलाब

''नव वर्श के सूर्योदय पर गुंजे मंगल मंत्र''

-तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)-

श्रीडूँगरगढ़ 1 जनवरी 2010: नया वर्श का नया प्रभात, नया उत्साह, नई उमंग, नया संदे-ा, फिजाओं में गुंजते मंगल मंत्र । अवसर था नव वर्श के सूर्योदय पर आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में आयोजित मंगलपाठ का। मंगल पाठ का श्रवण करने के लिए बीकानेर संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों लोगों के पहुंचने के साथ ही दे-ा के दूर दराज के अन्य अनेक प्रांतों से सैकड़ों लोग परिवार के साथ पहुंचे । जिनका मानना था कि नये वर्श के नव प्रभात पर आचार्य महाप्रज्ञ का मंगल पाठ एवं मंगल संदे-ा सुनने से सम्पूर्ण वर्श मंगलमय एवं :ांतिपूर्ण व्यतीत होता है। उनका कहना था कि आचार्य महाप्रज्ञ किसी भी प्रांत में प्रवासित हो पर हम नये वर्श का :ुभारंभ उनके आ-ीर्वाद से ही करते हैं।

स्थानीय तेरापंथ भवन स्थित प्रज्ञासमवसरण में वि-ाल जनमेदनी को नये वर्श का संदे-ा प्रदान करते हुए आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि मंगल और विकास ये दो :ाब्द बहुत प्रिय है। हर व्यक्ति मंगल चाहता है और विकास करना चाहता है। उन्होनें कहा कि संकल्प में :ाक्ति होती है। जब दृढ़ नि-चय होता है तो ऐसा कोई कार्य नहीं रहता जिसे किया ना जा सके । दृढ़ नि-चय से मनोबल बढ़ता है और लक्षित मंजिल प्राप्त होती है। इस मौके पर आचार्य महाप्रज्ञ ने ''आरोग्य बोहिलाभं समाहिवर मुत्तमं दिंतु'' एवं भगवान पा-र्व, भगवान महावीर के मंत्रों का पाठ करते हुए नव वर्श को मंगलमय, :ाक्तिमय और आध्यात्ममय बनाने का आ-ीर्वाद प्रदान किया।

युवाचार्य महाश्रमण ने गत वर्श का सिंहावलोकन करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि नये वर्श के अवसर पर संकल्प करें कि आने वाले विघ्नों, बाधाओं से न घबराकर मनोबल योगबल, आत्म बल के द्वारा समाधान प्राप्त करेंगे। उन्होनें उपस्थित साधु-साध्वियों समण-समणियों एवं जन समुदाय को त्रिपठी वंदना का सस्वर उच्चारण कराया। उन्होनें आभा, लज्जा-अनु-ासन, बुद्धि, धैर्य, :ाक्ति, :ांति, आनन्द, तेजस्, :ुक्ल ले-या (पवित्र) सम्पन्न बनने का संकल्प करवाया। इस मौके पर कु-ुम पुगलिया द्वारा निर्मित आचार्य महाप्रज्ञ का वि-ाल पैंसिल स्केच भेंट किया गया। नये वर्श के सूर्योदय पर मंगलपाठ सुनने दे-ा के दूर-दूर क्षेत्रों सहित बीकानेर संभाग से उमड़े जन सैलाब के कारण वि-ाल प्रज्ञा समवसरण भी छोटा नजर आने लग गया। दिन भर लोगों का हजुम आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण से मंगलपाठ सुनने उमड़ता रहा।

सादर प्रका-ानार्थ :-

तुलसीराम चौरड़िया

मीडिया संयोजक / सहसंयोजक

।।अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाश : 01565-224600,224900

ई-मेल : jstsdgh01565@gmail.com

अपने घर का निर्माण करें - आचार्य महाप्रज्ञ

-तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)-

श्रीडूँगरगढ़ 1 जनवरी 2010 : आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि आज हिन्दूस्तान में हजारों लाखों घर बन रहे है पर वे सभी ईंट-पत्थर आदि पदार्थो से निर्मित है इसमें आदमी स्थाई नही रह सकता। स्थाई रहने के लिए अपने घर का निर्माण करें। आचार्य प्रवर तेरापंथ भवन के प्रज्ञासमवसरण में कल्याण मंदिर स्त्रोत पर प्रवचन कर रहे थे। उन्होनें कहा कि आदमी का अपना घर आत्मा है। देह को अपना घर न समझें। नये वर्श के नए दिन से अपने घर आत्मा में रहने की तैयारी प्रारंभ करें। आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि ध्यान आत्मा से परमात्मा बनने का रास्ता हैं। भगवान पा-र्व के ध्यान से सूक्ष्म :रीर को जलाकर परमात्म पद को प्राप्त किया जा सकता है और अपने घर में रहने की योग्यता पा सकते है। उन्होनें एकत्व भावना एवं अन्यत्व भावना के प्रयोग को परमात्मा बनने में योगभूत बताया।

आचार्य प्रवर ने कहा कि कल्याण मंदिर विचित्र स्त्रोत है। इसमें स्तुति से ज्यादा अध्यात्म् के गुढ़ रहस्य समाहित किये हुए है। जिन रहस्यों को उजागर करना आचार्य सिद्धसेन जैसे योगी पुरुशों के ही व-ा की बात हो सकती है। अध्यात्म तक पहुंचने के लिए ध्यान आव-यक है। ध्यान के बिना श्रेणी आरोहण नहीं हो सकता । युवाचार्य महाश्रमण ने गीता एवं जैनागम का तुलनात्मक विवेचन प्रस्तुत किया। स्थानीय महिला मंडल एवं सरदार-ाहर की कन्यामण्डल के गीत की प्रस्तुति की। कल्पना सिंघी ने स्वयं निर्मित नव वर्श कैलेण्डर आचर्य प्रवर को भेंट किया।

गंगानगर राजस्थान का स्वर्ग है - युवाचार्य महाश्रमण

स्थानीय तेरापंथ भवन के प्रज्ञासमवसरण में गंगानगर चातुर्मास सम्पन्न कर गुरु द-ानों के लिए पहुंचे मुनि प्र-ांत कुमार, मुनि कुमुद कुमार एवं हनुमानगढ़, गंगानगर अंचल में पधारने की अर्ज लेकर पहुंचे संघ को संबोधित करते हुए युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि जब मैंने गंगानगर की यात्रा की थी तब वहां की हरियाली को देखकर लगा कि यह राजस्थान का स्वर्ग है। उन्होनें कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ जी ने भारत के अधिकां-ा भागों की यात्रा की है पर गंगानगर अभी तक अछूता ही है। इस पर आचार्य महाप्रज्ञ ने विनोद करते हुए कहा कि लगता है हमारी कुण्डली में गंगानगर जाने का योग नहीं है। जब आचार्य तलसी वहां पर पधारें थे तब हमें दिल्ली जाना जरुरी हो गया था । मुनि प्र-ांत ने अपने चातुर्मास में हुए कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस मौके पर हनुमानगढ़ गंगानगर अंचल के तेरापंथ परिवार निर्दे-िका का विमोचन आचार्य महाप्रज्ञ के द्वारा किया गया। दोपहर में श्रीडूँगरगढ़ नगर पालिका के अध्यक्ष रामे-वर लाल पारीक ने आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण, साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा के द-ान कर समारोह का आमंत्रण पत्र भेंट किया। इस अवसर पर आचार्य महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति के संरक्षक बनेचंद मालू, मीडिया प्रभारी तुलसीराम चौरड़िया, आवास व्यवस्था समिति के संयोजक जतनलाल पुगलिया उपस्थित थे।

सादर प्रका-ानार्थ : -

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक/सहसंयोजक